संयुक्त अरब अमीरात के पहले हिंदू मंदिर में राजस्थान कारीगरों का शिल्प

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के मकराना के गाँवों के कारीगर गौरवान्वित हो रहे हैं क्योंकि **उनके शिल्प को अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर में जगह मिली है** , जिसका उद्घाटन होने वाला है।

मुख्य बिंदु:

- मंदिर का निर्माण **BAPS स्वामीनारायण संस्था** द्वारा दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास अबू मुरीखा में 27 एकड़ की जगह पर किया जा रहा है।
- मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर की पृष्ठभूमि पर उत्कृष्ट संगमरमर की नक्काशी है,**जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा पत्थर के 25,000 से अधिक टुकड़ों से तैयार किया गया है।**
    - **मंदिर के लिये बड़ी संख्या में गुलाबी बलुआ** पत्थर उत्तरी राजस्थान से अबू धाबी ले जाया गया था।
- वास्तुशिल्प में **दो घुमट (गुंबद), सात शिखर (शिखर) शामिल हैं जो संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात, 12 समरन (गुंबद जैसी संरचनाएँ) और 402 स्तंभों** का प्रतीक हैं।
- प्रत्येक शिखर के भीतर, जटिल नक्काशी ,**रामायण, शिव पुराण, भागवतम और महाभारत की कहानियों के साथ-साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान स्वामीनारायण, भगवान वेंकटेश्वर तथा भगवान अयप्पा की कहानियों को** दर्शाती है।
- **'डोम ऑफ हार्मनी'** पाँच प्राकृतिक तत्त्वों- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और अंतरिक्ष के सामंजस्य का एक अनूठा चित्रण करता है।
- **दृढ़ता, प्रतिबद्धता और सहनशक्ति का प्रतीक ऊंट** को भी संयुक्त अरब अमीरात के परिदृश्य से प्रेरणा लेते हुए नक्काशी में उकेरा गया है।

गुलाबी बलुआ पत्थर

- बलुआ पत्थर एक तलछटी चट्टान है जो मुख्य रूप से 2 मिमी. से 120 मिमी. तक के विभिन्न संरचनाओं के आकार के रेत के कणों से बनी होती है। रेत में अंतरालीय सीमेंटिंग सामग्री के साथ क्वार्ट्ज, फेल्सपार और अन्य डेट्राइटल खनिजों के कण शामिल हो सकते हैं।
- बलुआ पत्थर का गुलाबी रंग मुख्यतः आयरन ऑक्साइड खनिजों की उपस्थिति के कारण होता है।
- अन्य बलुआ पत्थरों की तरह, गुलाबी बलुआ पत्थर मुख्य रूप से रेत के कणों से बना होता है, जो क्वार्ट्ज, फेल्डस्पार और अन्य खनिज हो सकते हैं।
- इन अनाजों को एक साथ बाँधने वाला सीमेंटिंग पदार्थ कैल्साइट, सिलिका या आयरन ऑक्साइड हो सकता है।
- गुलाबी बलुआ पत्थर भारत में मुख्य रूप से राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में पाया जाता है।
- उल्लेखनीय स्थानों में राजस्थान का धौलपुर शामिल है, जो अपने धौलपुर गुलाबी बलुआ पत्थर के लिये जाना जाता है; जोधपुर, राजस्थान, जोधपुर गुलाबी बलुआ पत्थर का उत्पादन; गुजरात में भुज, भुज गुलाबी बलुआ पत्थर के लिये प्रसिद्ध; और मध्य प्रदेश में शिवपुरी, जहाँ शिवपुरी गुलाबी बलुआ पत्थर का उत्पादन होता है।

बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था

- यह स्वामीनारायण संप्रदाय के भीतर एक हिंदू संप्रदाय है।
- इसका गठन वर्ष 1905 में यज्ञपुरुषदास द्वारा उनके दृढ़ विश्वास के बाद किया गया था कि स्वामीनारायण गुणातीतानंद स्वामी से शुरू होने वाले गुरुओं की एक वंशावली के माध्यम से पृथ्वी पर मौजूद रहे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-artisans-craft-at-uae-s-first-hindu-temple